जल जीवन मिशन में फर्जीवाड़ा, अलवर जिले के 19 इंजीनियर जांच के घेरे में

जेजेएम के टेंडरों में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाने के मामले में जलदाय विभाग ने सख्ती बढ़ाई

अलवर, (निसं)। जल जीवन मिशन (जेजेएम) के टेंडरों में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाने के मामले में जलदाय विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। वर्ष 2020-21 और 2023-24 के टेंडर प्रकरण की जांच तेज होने के साथ ही अलवर जिले के 19 एईएन और जेईएन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च स्तर पर भेजी गई है। पूरे प्रदेश में 139 अधिकारी-कर्मचारी इस जांच की जद में हैं और विभाग आगामी दिनों में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है।

- **वर्ष 2020-21 और 2023-24 के टेंडर प्रकरण की जांच तेज होने के साथ ही अलवर जिले के 19 एईएन और जेईएन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च स्तर पर भेजी**
- **पूरे प्रदेश में 139 अधिकारी-कर्मचारी इस जांच की जद में हैं और विभाग आगामी दिनों में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है**

वर्ष 2023-24 में फर्मों द्वारा जमा कराए गए अनुभव प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी सामने आने पर जांच शुरू हुई, जिसके बाद पुराने यानी 2020-21 में हुए कार्यों की भी फाइलें खोली गईं। कई स्थानों पर कार्यों को बिना भौतिक रूप से पूरा किए कागजों में पूर्ण दिखाने के मामले सामने आए। वहीं, अधिकारियों की चार्जशीट तैयार की जा रही है और उच्च स्तर पर तीन से चार दौर की बैठकें हो चुकी हैं, हालांकि अभी किसी को आधिकारिक रूप से दोषी नहीं माना गया है।

जांच के दौरान टेंडर अनियमितता में संलिप्तता मिलने पर तीन निजी फर्मों को विभाग ने डिबार कर दिया है। वहीं, 119 फर्मों के खिलाफ कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। अधिकारियों-कर्मचारियों और फर्मों की मिलीभगत को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए हैं। विभागीय स्तर पर निलंबन, विभागीय दंड और वित्तीय रिकवरी जैसे कदम उठाने की तैयारी है। वही जलदाय विभाग ने टेंडर प्रक्रिया में सतर्कता बढ़ा दी है। अब किसी भी नए टेंडर में तकनीकी स्वीकृति, कार्यादेश और भुगतान से लेकर स्थल निरीक्षण तक हर चरण में सख्त मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि लापरवाही या नियमों से समझौता करने पर तुरंत कार्रवाई होगी।

नोखा में एक ही रात में चार घरों के ताले टूटे

नोखा, (निसं)। यहां रोड़ा गांव में एक ही रात में चोरों ने पांच घरों को निशाना बनाया। रविवार सुबह ग्रामीणों को चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। हालांकि, तब तक अज्ञात चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे।

- **पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली**

रोड़ा सरपंच प्रतिनिधि ऋषि राज सिंह ने बताया कि शनिवार रात चोर गांव में घुसे थे। उन्होंने पांच मकानों में चोरी होने की पुष्टि की है। एक साथ इतनी चोरियों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। चोरों ने कमल बागड़ी, रामचंद्र बिहानी और चेतन मेघवाल सहित अन्य ग्रामीणों के घरों को निशाना बनाया। उन्होंने मकानों के ताले तोड़े, अलमारियां और संदूक खंगाले और उनमें रखा कीमती सामान चुराकर ले गए। ग्रामीणों के अनुसार, रोड़ा गांव में चोरी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। इससे पूर्व भी गांव और आसपास के क्षेत्रों में लाखों रुपए की चोरियां हुई हैं। केशुपुरा क्षेत्र में 20 लाख रुपए से अधिक की चोरी का मामला आज तक अनसुलझा है, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है।

बुजुर्ग की ट्रेन से कटकर मौत

नापासर, (निसं)। रेलवे स्टेशन के पास रविवार को एक हादसा हो गया। इसमें सीथल निवासी 64 वर्षीय मदाराम पुत्र गंगाराम की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर नापासर थाने के एएसआई कविंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में यह हादसा रेलवे लाइन पार करते समय हुआ प्रतीत होता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नापासर उप जिला अस्पताल भिजवाया है। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और पोस्टमार्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा।

पीबीएम अस्पताल में बच्चे को बेड नहीं मिलने पर रेजिडेंट से मारपीट

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम बच्चा अस्पताल में देर रात एक बालिका को बेड नहीं मिलने की बात पर खूब हंगामा हुआ। परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात रेजिडेंट डॉक्टर के साथ मारपीट की और मरीज के साथ उसकी मेडिकल फाइल भी ले गए। इस मुद्दे पर गुस्साए रेजिडेंट डॉक्टर्स एक बार हड़ताल पर जाने को तैयार हो गए थे। वरिष्ठ चिकित्सकों के समझाने पर माने। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने एसपी मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य से आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

- **रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की**

जानकारी के अनुसार घटना रात 11 बजे बाद की है। मुक्ता प्रसाद के चार लोग 13 साल की बच्ची को लेकर इमरजेंसी में आए थे। ड्यूटी पर तैनात रेजिडेंट डॉक्टर विकास ने बच्ची को देखा और भर्ती कर लिया। वार्ड में सभी 40 बेड भरे हुए थे। ज्यादातर बेड पर दो-दो बच्चों को लिटा रखा था। परिजनों ने अलग बेड की मांग की, जिस पर डॉक्टर ने असमर्थता जाहिर कर दी। इस बात को लेकर गर्मा-गर्मी हो गई। परिजनों का कहना था कि जब बेड खाली ही नहीं है तो मरीज को भर्ती क्यों किया। डॉक्टर ने समझाने का प्रयास किया तो बात मारपीट तक जा पहुंची। एक महिला ने डॉक्टर पर हाथ उठा लिया और कॉलर पकड़ ली। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। वार्ड में भर्ती अन्य बीमार बच्चे और उनके परिजन दहशत में आ गए। स्टाफ के अन्य लोगों को आते देख बच्ची को लेकर चले गए। डॉक्टरों का कहना है कि वे महिला रेजिडेंट डॉक्टर के हाथ से मरीज की मेडिकल फाइल भी छीन ले गए।

डॉक्टरों ने घटना की सूचना देर रात पुलिस चौकी पर दे दी। अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा के इंतजाम करने सहित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। उन्होंने एसपी ऑफिस में भी ज्ञापन दिया है।

पीबीएम में डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच आए दिन विवाद होता है। बच्चा अस्पताल में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। कहने को कैंपस में 250 सुरक्षा गार्ड हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं के दौरान दूर खड़े तमाशा देखते हैं। बच्चा अस्पताल में रात के समय चार गार्ड रहते हैं। पुरुषों के अंदर जाने पर रोक है। केवल महिलाओं को ही प्रवेश दिया जाता है। उसके बाद भी रात को बच्ची के साथ एक महिला के अलावा तीन पुरुषों को रोका नहीं गया। यह भी पता चला है कि बच्ची के परिजन भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का नाम बार-बार ले रहे थे।

बुखार, सर्दी, जुकाम, खांसी यानी वायरल के प्रकोप बढ़ने के कारण बच्चा अस्पताल के आउटडोर में इन दिनों रोज करीब 800 मरीज आ रहे हैं। चार यूनिट हैं। हर यूनिट में 40 बेड हैं। सभी फुल रहते हैं। एक बेड पर दो-दो बच्चों को सुलाना पड़ रहा है। इससे संक्रमण का खतरा बना रहता है।

कार्यवाहक एचओडी डॉ. मुकेश बेनीवाल का कहना है कि इन दिनों मरीज ज्यादा आ रहे हैं। बच्ची के परिजनों को स्थिति बताने के साथ ही रेजिडेंट ने कहा था कि एक बार बेड शेयर कर लें। इलाज शुरू होने के बाद दूसरी जगह शिफ्ट कर देंगे, लेकिन परिजन नहीं माने और मारपीट पर उतारू हो गए। सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं।

डॉ. संजीव बुरी, कार्यवाहक अधीक्षक, पीबीएम बीकानेर का कहना है कि अस्पताल में मरीजों की संख्या अधिक है। ऐसे में परिजनों को संयम रखना चाहिए। बच्चा अस्पताल की घटना की जांच के लिए कमेटी बनाई जाएगी।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में एक साथ दिखे 1965 से 2025 बैच के डॉक्टर्स

अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का दूसरा दिन सुनहरी यादों के नाम रहा

अजमेर, (निसं)। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के हीरक जयंती समारोह का दूसरा दिन सुनहरी यादों और नए जोश के नाम रहा। समारोह में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला, जब सन 1965 के वरिष्ठ चिकित्सकों से लेकर 2025 बैच के भावी डॉक्टर्स एक साथ कदम से कदम मिलाकर चले।

- **सांस्कृतिक संध्या में डॉक्टर्स ने गीतों और नृत्य पर जमकर धमाल मचाया**

समारोह के दूसरे दिन की शुरुआत भव्य परेड के साथ हुई। इसमें कॉलेज के 1965 बैच के पूर्व छात्रों से लेकर वर्तमान 2025 बैच तक के छात्रों ने हिस्सा लिया। छह दशकों के इस सफर को एक साथ परेड करते देख वहां मौजूद हर व्यक्ति ने मुक्त कंठ से कार्यक्रम की प्रशंसा की। वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुभव और युवाओं के जोश का यह मिलन वास्तव में देखने लायक था। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज की नींव मजबूत करने और इसे ऊंचाइयों तक ले जाने वाले अब तक के सभी प्राचार्यों को मंच पर सम्मानित किया गया। उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। दिनभर के कार्यक्रमों के बाद शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। अस्पताल और मरीजों के बीच गंभीर रहने वाले डॉक्टर्स यहाँ बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए। डॉक्टर्स ने पुराने और नए नग्मों पर जमकर नृत्य किया और गायन का आनंद लिया। इस रंगारंग कार्यक्रम ने हीरक जयंती की रौनक को दोगुना कर दिया।

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं से श्रीगंगानगर में ठंड का असर दिखा

घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रही

श्रीगंगानगर, (निसं)। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण श्रीगंगानगर जिले में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। जिलेभर में रविवार को घने कोहरे के साथ तेज ठंड का कहर रहा। कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रही।

- **मौसम विभाग ने दो दिन में हल्की बारिश व बूंदाबांदी की संभावना जताई**

मौसम रडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री रिकार्ड किया गया। शनिवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री रिकार्ड किया गया, जबकि इससे पहले शुक्रवार को यहां न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री व अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री रिकार्ड किया गया था। वहीं कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार कम हो गई है और लोग हेडलाइट जलाकर वाहन चला रहे हैं।

मौसम विभाग ने अगले 2 दिन श्रीगंगानगर जिले में हल्की बारिश व बूंदाबांदी की संभावना जताई है। बारिश के बाद ठंड और बढ़ जाएगी और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। मौसम ड्राई रहने के कारण शनिवार को भी क्षेत्र में तेज ठंड रही।

ट्रेनों में अस्थाई अतिरिक्त डिब्बों की बढ़ोतरी

जोधपुर, (कासं)। नव वर्ष एवं त्योहारी सीजन के दौरान बढ़े हुए यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर मंडल से चलने एवं गुजरने वाली 10 जोड़ी ट्रेनों में अस्थाई रूप से अतिरिक्त डिब्बे लगाए जा रहे हैं। यह व्यवस्था 1 से 31 जनवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि इस अवधि में रणकपुर, इंटरसिटी, इंदौर, रणथंबोर, मरुधर, दादर, साबरमती, जैसलमेर एवं हमसफर सहित विभिन्न ट्रेनों में एसी थ्री टियर, स्लीपर तथा जनरल श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे जिससे प्रतीक्षा सूची व जनरल टिकट वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह

अवकाश होने के चलते शहरवासी मेला देखने उमड़े

जोधपुर, (कासं)। शहर के रामलीला मैदान में आयोजित हो रहे पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2026 को लेकर पिछले चार दिनों में उत्साह नजर आया। शनिवार और रविवार को अवकाश होने के चलते शहरवासी मेले को देखने उमड़ पड़े और देर शाम तक पूरे मेले में भारी भीड़ नजर आई।

मेला मुख्य संयोजक महावीर चौपड़ा ने बताया कि मेले की नोडल एजेंसी लघु उद्योग भारती की ओर से इस बार मेले को आकर्षक बनाने के लिए कई नवाचार किए गए और आमजन को यह सभी नवाचार काफी पसंद आ रहे हैं। मेले में प्रवेश द्वार के पास हस्तशिल्प उत्पादों से सजी विशेष स्टॉल्स दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है तो वहीं सेंटल पांडाल के बाहर सियाचिन ग्लेशियर बॉर्डर पर सेना के शौर्य को प्रदर्शित करने वाली झांकी सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही।

- **पांडाल के बाहर सियाचिन ग्लेशियर बॉर्डर पर सेना के शौर्य को प्रदर्शित करने वाली झांकी सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही**

लघु उद्योग भारती के प्रांत महामंत्री सुरेश कुमार विश्नोई ने बताया कि मेले में विशेष रूप से स्थापित बोइंग विमान, ब्रह्मोस मिसाइल , एस 400 की प्रतिकृति भी लोगों के आकर्षण का केंद्र है। सेंट्रल पंडाल में जोधपुर शहर के सभी औद्योगिक इकाइयों के बेहतरीन उत्पादों की प्रदर्शनी सजाई गई है और यह सेंट्रल पंडाल मेला देखने के लिए आने वाले लोगों को काफी पसंद आ रहा है, साथ ही उन्हें कई नवीन जानकारियां भी मिल रही है। मेले में जबरदस्त भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने भी व्यवस्थाओं को चाक चौबंद बनाए रखा।

मेले में आने वाले लोगों के लिए बनाया गया फूड जोन और किड्स जॉन भी शनिवार और रविवार को पूरी तरह से पैक नजर आया। मेले में आने वाले बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किड्स जोन देखकर बच्चे उत्साहित नजर आए। मेले में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए झूले लगाए गए हैं। वही फूड जोन में भी रविवार को खासी भीड़ नजर आई। मेला घूमने के बाद परिवार के साथ आए लोगों ने यहां के स्वादिष्ट और व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव के तहत लघु उद्योग भारती महिला इकाई की से प्रतिदिन आयोजित हो रही विभिन्न प्रतियोगिताओ की श्रृंखला में रविवार को बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 50 से अधिक बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से रेखांकित किया। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे वहीं राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय की प्रिंसिपल लबीना कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रही।

महाराणा प्रताप राज्यारोहण दिवस शिविरा पंचांग में शामिल

चित्तौड़गढ़/जयपुर, (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी के आग्रह पर राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राष्ट्रगौरव वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के राज्यारोहण दिवस को शिविरा पंचांग में शामिल कर लिया है। यह घोषणा रविवार को चित्तौड़गढ़ आयोजित राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव के समापन समारोह के दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मंच से की। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि सांसद सीपी जोशी द्वारा इस संबंध में पत्र लिखकर आग्रह किया गया था, जिस पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए शिक्षा विभाग ने परंपरा के अनुरूप 28 फरवरी को महाराणा प्रताप राज्यारोहण दिवस विद्यालय स्तर पर मनाने के निर्देश जारी किए हैं। सांसद सीपी जोशी ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त किया।

- **28 फरवरी को महाराणा प्रताप राज्यारोहण दिवस विद्यालय स्तर पर मनाने के निर्देश जारी किए गए**

एमडीएस यूनिवर्सिटी के कुलगुरु को फोन पर धमकी, मामला दर्ज

अजमेर, (निसं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल को एक निजी कॉलेज संचालक के नाम से फोन कर धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुलगुरु पर नियम विरुद्ध एडमिशन का दबाव बनाया, अभद्र व अपमानजनक भाषा का प्रयोग भी किया। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सिविल लाइन थाना पुलिस लिखित शिकायत देते हुए धमकी देने वाले के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

- **आरोप है कि कुलगुरु पर नियम विरुद्ध एडमिशन का दबाव बनाया, अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया**

सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभूसिंह ने बताया कि एमडीएस यूनिवर्सिटी के सब रजिस्ट्रार कैलाश चंद्र शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया कि निवाई टोंक के अभिषेक महाविद्यालय दतवास प्राइवेट कॉलेज के डायरेक्टर राजेश गुर्जर के कहने पर सांगानेर जयपुर निवासी दातार सिंह ने कॉल किया। कुलगुरु को कॉलेज से जुड़े एक विषय में सिफारिश करने का दबाव बनाया गया, जब कुलपति नहीं माने तो उनसे अभद्रता की। कुलगुरु को बार-बार कॉल किए गए और लेकिन प्रो. अग्रवाल ने रिसीव नहीं किए। रिपोर्ट के आधार पर राजकार्य में बाधा डालने पर पुलिस ने जयपुर निवासी आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच एसआई भीम सिंह को सौंपी है।

रिटायर्ड जस्टिस लोढ़ा ने पाली में प्रदूषण देख नाराजगी जताई

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा अपनी टीम के साथ बांडी नदी में मास्क लगाकर उतरे

हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज संगीत लोढ़ा ने पाली में प्रदूषण की स्थिति जांची।

पाली, (निसं)। सुप्रीम कोर्ट की उच्च स्तरीय कमेटी ने रविवार को भी पाली के प्रदूषण की स्थिति जांची। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज संगीत लोढ़ा ने प्रदूषण की भयावह हालत को देखकर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने गंभीर टिप्पणी करते हुए पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर दिया।

सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा अपनी टीम के साथ बांडी नदी में मास्क लगाकर उतरे। उन्होंने दूसरे दिन भी पाली में ही कैंप कर ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी1-2, 3 और 6) का जायजा लिया। लोढ़ा के निर्देश पर टीम ने जगह-जगह रंगीन जहरीले पानी के सैंपल लिए। जस्टिस लोढ़ा ने सीईटीपी को खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने नेहड़ा बांध को देखकर कहा कि बांध की ऐसी हालत कर दी आपने, इस पानी को देखकर लगता है कि किसान सही कह रहे हैं। इंडस्ट्री चलानी है तो नदी बचाओ। सुबह सवा दस बजे शुरू हुआ निरीक्षण शाम तक चला।

जस्टिस लोढ़ा ने सबसे पहले रोटरी क्लब के पास बांडी नदी देखी, फिर मंडिया रोड सीईटीपी 1-2 के पीछे जाकर नदी में उतरे। यहां अपशिष्ट और कचरे के ढेर देखकर गुस्से में बोले। उन्होंने कहा कि कभी नेहड़ा बांध जाकर स्थिति देखी है। मैं पूरा बेल्ट घूमकर आया हूं। सब पता है क्या चल रहा है। ऐसी स्थिति में कैसे चलेगी इंडस्ट्री। किसान वागाराम विश्नोई, नाथू दान, हनुमान पटेल आदि ने आरोप लगाया कि कई फैक्ट्रियां अभी भी अवैध पाइप से रंगीन पानी सीधे नदी में छोड़ रही हैं। जस्टिस लोढ़ा ने जिला कलैक्टर एलएन मंत्री से कहा कि वर्तमान स्थिति देखकर बताओ, कैसे चल सकती है इंडस्ट्री। यह केमिकल युक्त कचरा यहां क्यों पड़ा है, आप जिम्मेदार हो, फिर क्या करते हो। पूनायता औद्योगिक क्षेत्र में सीईटीपी-6 के पास स्लज का ढेर देखा तो फिर नाराजगी जताई व कहा कि इसका निपटारा कैसे करोगे, अधिकारियों से सीधा सवाल किया।

लालगढ़-फलोदी रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 130 किमी प्रति घंटा करने की तैयारी

बीकानेर, (निसं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन की ओर से लालगढ़-फलोदी रेलखंड को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इस खंड पर जारी तकनीकी नवीनीकरण और ट्रैक मेंटेनेंस के बाद अब ट्रेनों की अधिकतम गति 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे करने की तैयारी है। रेलवे के इस कदम से न केवल यात्रियों का सफर समय घटेगा, बल्कि इस रूट पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

कोलायत रेलवे स्टेशन के पास बड़े स्तर पर ट्रैक मेंटेनेंस कार्य किया गया। वर्तमान में लालगढ़-फलोदी खंड पर ट्रेनों की औसत गति करीब 80 किमी प्रति घंटे रहती है, लेकिन ट्रैक, स्लीपर, बैलास्ट और अलाइनमेंट के अपग्रेड के बाद इस सेक्शन को हाई स्पीड ऑपरेशन के योग्य बनाया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद भविष्य में इस रूट पर 150 किमी प्रति घंटे तक की गति की संभावना भी तलाशी जा रही है।

कोलायत रेलवे मेट सत्यपाल बकोलिया ने बताया कि लालगढ़-फलोदी गाड़ियों की स्पीड बढ़ने से ट्रेनों की रनिंग ज्यादा स्मूथ और शार्प होगी। इससे यात्रा समय में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि प्रथम टीडब्लूएस पॉइंटिंग एंड क्रॉसिंग के नवीनीकरण से मेंटेनेंस की लागत और समय दोनों की बचत होगी। रेलवे मंडल की योजना है कि पूरे भारत में इसी तरह का आधुनिकीकरण किया जाए, ताकि प्रमुख रूट्स पर अतिरिक्त और तेज ट्रेनें चलाई जा सकें।

लालगढ़-फलोदी रेलखंड पश्चिमी राजस्थान का महत्वपूर्ण मार्ग है, जो बीकानेर को जैसलमेर और जोधपुर की दिशा से जोड़ता है। इस रूट पर गति बढ़ने से न केवल यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी। रेलवे का यह तकनीकी उन्नयन संकेत देता है कि आने वाले समय में कोलायत क्षेत्र रेल नेटवर्क के लिहाज से और मजबूत बनने जा रहा है। फिलहाल पंडौल सहित अन्य स्थानों पर ट्रैक अपग्रेडेशन का काम जारी है।

रेलवे सूत्रों के अनुसार सभी तकनीकी मानकों और ट्रायल पूरे होने के बाद ही नई अधिकतम गति को औपचारिक रूप से अधिसूचित किया जाएगा। रेलवे का यह कदम लालगढ़-फलोदी रेलखंड को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी पहल माना जा रहा है। इस समय लालगढ़-फलोदी खंड पर ट्रैक की मजबूती बढ़ाने के लिए बैलास्ट की सफाई, स्लीपर अपग्रेडेशन और अलाइनमेंट सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही टीडब्लूएस पॉइंटिंग एंड क्रॉसिंग नवीनीकरण भी किया जा रहा है, जिससे ट्रेनों की रनिंग और ज्यादा सुरक्षित और स्मूथ होगी। मेंटेनेंस पूरा होने के बाद ट्रैक पर कंपन कम होगा और उच्च गति पर भी स्थिरता बनी रहेगी। स्पीड बढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यात्रियों को मिलेगा। ट्रेनों का यात्रा समय कम होगा, जिससे बीकानेर, कोलायत और फलोदी के बीच आवागमन और अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। साथ ही इस सेक्शन पर अतिरिक्त ट्रेनों और इंटरसिटी जैसी तेज ट्रेनों के टाइम टेबल को और आकर्षक बनाने की संभावना भी बढ़ेगी।

टीडब्लूएस पॉइंटिंग एंड क्रॉसिंग नवीनीकरण के दौरान सीनियर सेक्शन इंजीनियर किशन लाल, सहायक मंडल इंजीनियर जितेंद्र ओसवाल सहित कई रेलवे कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

- **लालगढ़-फलोदी रेलखंड को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया**
- **रेलखंड खंड पर जारी तकनीकी नवीनीकरण और ट्रैक मेंटेनेंस के बाद अब ट्रेनों की अधिकतम गति बढ़ाने की तैयारी**